

कृष्णमय हुआ शहर, हर्षोल्लास से मनी जन्माष्टमी

नवभारत न्यूज

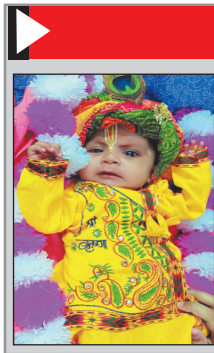
ग्वालियर 4 सितंबर। शुक्रवार को ग्वालियर में उत्साह और भक्ति के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव मनाया गया। श्री द्वारकाधीश मंदिर, श्री मदनमोहन जी मंदिर, श्री गोपाल मंदिर समेत शहर के सभी छोटे-बड़े मंदिरों में सुबह से भक्तों की भीड़ लगी रही। जन्माष्टमी पर मंदिरों को विद्युत सज्जा कर खुशबूदार फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मंदिरों में विराजमान भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा को सुन्दर पोशाक और आभूषण पहनाकर सजाया गया। मंदिरों में विशेष फूल बंगला भी सजाया गया। मंदिर पहुंचे भक्तों की भारी भीड़, भजनों और जयकारों से मंदिर गुंज उठा और सारा वातावरण कृष्णमय हो गया। इस मौके पर भक्तों ने श्री कृष्ण और राधा रानी की मूर्तियों पर फूल अर्पित कर झुले में विराजमान लड्डु गोपाल को झूला झूलकर उनका आशीर्वाद



लिया।

विधि विधान से मनाया बाल गोपाल का जन्मोत्सव : मंदिरों में 4 सितंबर रात 11:57 बजे से 5 सितंबर की रात 12:43 बजे तक निशोथ काल में मंत्रोचरण के साथ विधि-विधान से बाल गोपाल का पंचामृत से अभिषेक किया गया। इसके बाद साफ पानी से स्नान कराकर नए वस्त्र पहनाकर चंदन, फूल और तुलसी दल चढ़ाई गई और माखन-मिश्री, फल और मिठाई

आदि का भोग लगाया गया। मध्यरात्रि में भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय मंदिरों में ढोल-नगाड़े, घंटे, शंख घडियाल आदि यंत्रों के साथ आरती की गई और जन्मोत्सव मनाया गया। इसके बाद परंपरागत तरीके से बाल गोपाल को पालने में झुला झुलाया गया। श्री कृष्ण के जन्म के पश्चात् मंदिरों में भक्तों को प्रसादी वितरीत की गई। कृष्ण भक्तों का सुबह से मंदिरों में पहुंचने का सिलसिला रात तक भी नहीं थमा



सज-धजकर मंदिर पहुंचे बच्चे

श्री कृष्ण जन्मोत्सव के पवन अवसर पर श्री कृष्ण के नन्हें भक्त भी उनका आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंचे। एक ओर नन्हें बालक सिर पर मोरपंख, हाथ में बांसुरी, पीले वस्त्र पहनकर श्री कृष्ण बने तो वहीं लहंगे-चुनरी और गहनों में राधा रानी के रूप में सजी बच्चियां सज-धजकर अपने माता-पिता के साथ मंदिरों में श्री कृष्ण के दर्शन करने पहुंची। मंदिरों में इन नन्हे बाल-गोपालों और राधा रानी के पहुंचते ही पूरा वातावरण आनंदपूर्ण हो गया।

घरों में हुआ लड्डु गोपाल का पूजन :कृष्ण भक्तों ने घरों में भी लड्डु गोपाल की प्रतिमा को सुन्दर पोशाक और आभूषण पहनाकर उन्हें भव्य रूप से सजाया। महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने भगवान श्री कृष्ण के लिए उपवास रखा।

और जन्माष्टमी का उत्साह मंदिर पहुंचे भक्तों के चेहरों पर साफ नजर आया।

सनातन धर्म मंदिर में जन्माष्टमी की रही धूम

सुबह से उमड़े श्रद्धालु, देर रात तक किये दर्शन,फूल बंगले और बीएसएफ बैंड ने मोहा मन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 04 सितम्बर। सनातन धर्म मंदिर में शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। देर रात 12 बजे कृष्ण प्राकट्य के साथ पूरा परिसर ‘नंद के आनंद भयो’ के जयघोष से गुंज उठा।

जन्माष्टमी पर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। वृंदावन और कनौज से मंगाए गए रंग-बिरंगे फूलों से भव्य फूल बंगला बनाया गया। चक्रधर और गिरिराजधरण के विग्रहों को वृंदावन से लाई गई विशेष पोशाक और आभूषणों से श्रृंगारित किया गया था। पोशाक के सेवाधिकारी शैलेंद्र बंसल पेटे वाले रहे।

सुबह शहनाई वादन के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक हुआ। चक्रधर का अभिषेक राकेश मंगल, अजय मंगल, शरद मंगल परिवार और गिरिराजधरण का अभिषेक संजय अग्रवाल परिवार ने किया।

शाम को श्रृंगार दर्शन और आरती के बाद रात में विशेष अभिषेक किया गया। इस दौरान बीएसएफ बैंड ने भक्ति धुनें बजाकर कन्हैया का स्वागत किया। विशेष आरती और आतिशबाजी के बीच दर्शन के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की



लंबी कतारें लगी रहीं।

मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा और व्यवस्था के लिए सीसीटीवी से निगरानी सहित विशेष इंतजाम किए थे। आयोजन में अध्यक्ष विजय गोयल, रमेशचंद्र गोयल, कोषाध्यक्ष राकेश बंसल और संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल की प्रमुख भूमिका रही।

मंदिर समिति के अनुसार शनिवार 5 सितंबर को नंदोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 7.30 बजे महिला भजन, शाम 4 बजे पालना उत्सव, 5 बजे बधाई गायन, 6 बजे छप्पन भोग और फूल बंगला दर्शन तथा 7 बजे आरती-प्रसाद वितरण होगा।

सीएमएचओ कार्यालय में नहीं होती आउटसोर्स भर्ती

भ्रम दूर करने के लिए लगाए सूचना बोर्ड

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 04 सितम्बर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में मल्टी स्किल आउटसोर्स वर्कर की सीधी भर्ती नहीं की जाती। जानकारी के अभाव में प्रतिदिन 10 से 15 लोग भर्ती के लिए कार्यालय पहुंच रहे थे। लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए सीएमएचओ ने अब कार्यालय परिसर में जगह-जगह



सूचना बोर्ड लगावा दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सागर ने बताया कि जिला ग्वालियर की अधीनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं में आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति का प्रावधान सीएमएचओ कार्यालय के पास नहीं है। जिले में जहां भी आउटसोर्स कर्मचारियों की आवश्यकता होती है, वहां नियुक्ति

केवल शासन द्वारा अधिकृत आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से ही की जाती है। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा इस श्रेणी में कोई नियुक्ति नहीं की जाती। उन्होंने बताया कि रोजाना कई जरूरतमंद लोग आवेदन लेकर कार्यालय आते हैं, जिससे उन्हें परेशान होना पड़ता है। इसी को देखते हुए बोर्ड लगावाए गए हैं, ताकि लोग बोर्ड पढ़कर सही जगह संपर्क कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए आवेदक सीधे संबंधित आउटसोर्स एजेंसी के कार्यालय में संपर्क करें।

पुलिस ने 24 घंटे में बरामद की लापता नाबालिग

ग्वालियर. मुरार थाना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 24 घंटे के अंदर अपहृत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद किया है। मुरार निवासी एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 2 सितंबर की सुबह उसकी 13 वर्षीया भांजी प्रोजेक्ट सीट लेने कॉपी-किताब की दुकान पर गई थी और वापस नहीं लौटी। परिजनों ने

आसपास और रिश्तेदारी में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। आशंका जताई गई कि अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना मुरार में अपराध दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सीएसपी मुरार संदीप बांगरे के मार्गदर्शन में थाना भ्रमारी मैना पटेल ने टीम गठित कर तलाश शुरू की। मुखबिर की

सूचना पर पुलिस ने 3 सितंबर को मुरार क्षेत्र से ही बालिका को बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार बालिका के कथन के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में डॉन राहुल सिंह, प्रचार जगजीत सिंह, नरेश राजावत, आश्रकश नीरज यादव, नरेश भोज, देवेंद्र साहू और साइबर आरक्षक सोनू की सराहनीय भूमिका रही।



इस भीषण समस्या को लेकर रेलवे, केपीसी और नगर निगम के अधिकारियों को कई बार बताया। निगम अफसर कहते हैं कि मशीन प्रोी नहीं है, इस तरह की गोलमोल बातें कर समझा देते हैं।

– **प्रेम शर्मा, संचालक जैन रेस्टोरेंट**

पानी सड़क पर बहने का मामला अभी तक संज्ञान में नहीं आया था। अब आपने बताया है तो मैं जल्द ही इसे दिखवाता हूं और इसका निराकरण करवाता हूं।

– **गजेंद्र सिंह राठौड़, स्टेशन अधीक्षक ग्वालियर**

के लिए नगर निगम में गुहार करने पर कभी कहा जाता है कि मशीन खाली नहीं है, तो कभी कर्मचारी

भेजने का आश्वासन दिया जाता है।

चार दिन बीत जाने के बाद भी मौके पर कोई टीम नहीं पहुंची है।

पैंथर इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड

सीआईएन : एल17110एमपी1987पीएलसी081327

रजिस्टर्ड ऑफिस : फर्स्ट फ्लोर, मोहन नगर, थाटीपुर, दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर, गिर्द, मध्य प्रदेश, भारत-474011

कॉर्पोरेट ऑफिस: फर्स्ट फ्लोर, राधा भवन, 121, नगीनदास मास्टर रोड, फोर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत-400001, टेलीफोन: 022-22677712/ +91-8815599300

ईमेल : piplin@rediffmail.com, वेबसाइट : www.pantherindustrialproductsltd.com

कंपनी की 38वीं एनुअल जनरल मीटिंग का प्री डिस्पैच-नोटिस

इसके द्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि पैंथर इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड (“कंपनी”) की 38वीं एनुअल जनरल मीटिंग (“38वीं एजीएम”) बुधवार, 30 सितंबर, 2026 को सुबह 11:00 बजे इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (आईएसटी) पर होगी, जिसमें 38वीं एजीएम के नोटिस में बताए गए बिजनेस को पूरा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (“वीसी”)/दूररे ऑडियो-विजुअल तरीकों (“ओएव्हीएम”) के जरिए मीटिंग होगी। कंपनी अधिनियम, 2013 (“अधिनियम”) और उसके तहत बनाए गए नियमों के सभी लागू प्रावधानों के अनुपालन में, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (“एमसीए”) के सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल, 2020 और 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल, 2020 के साथ पढ़ें, उसके बाद सामान्य परिपत्र संख्या 20/2020 दिनांक 5 मई, 2020, परिपत्र संख्या 09/2023 दिनांक 25 सितंबर, 2023 और इस संबंध में जारी किए गए बाद के परिपत्र, जिनमें सबसे नया परिपत्र संख्या 09/2024 दिनांक 19 सितंबर, 2024 और एमसीए द्वारा जारी अन्य लागू परिपत्र (सामूहिक रूप से “एमसीए परिपत्र” के रूप में संदर्भित) और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015, (“सेबी एलओडीआर विनियम”) यह सुविधा, कंपनी के सदस्यों की किसी कॉमन जगह पर फिजिकल मौजूदगी के बिना हैं।

उपपर बताए गए एमसीए सफुलर और सेबी सफुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 तारीख 12 मई, 2020, सफुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी-पीओडी-2/पी/सीआईआर/2023/167 तारीख 07 अक्टूबर, 2023 और इस बारे में जारी किए गए बाद के सफुलर, जिनमें सबसे नया सफुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी-पीओडी-2/पी/सीआईआर/2024/133 तारीख 3 अक्टूबर, 2024 और सेबी एलओडीआर रेगुलेशन के प्रोविजन के अनुसार, फाइनैशियल ईयर 2025-26 के लिए एनुअल रिपोर्ट (“एनुअल रिपोर्ट”) 38वीं एजीएम के नोटिस के साथ कंपनी के सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक मोड से उन मेंबर्स को भेजी जाएगी जिनके ईमेल एड्रेस कंपनी/आरटीए/डिजिटल/पीएटिसिपेंट(स) के पास रजिस्टर्ड हैं।

38वीं एजीएम के नोटिस में दिए गए सभी प्रस्तावों पर वोट डालने के लिए मेंबर्स को रिमोट ई-वोटिंग की सुविधा (“रिमोट ई-वोटिंग”) दी जाएगी। इसके अलावा, कंपनी 38वीं एजीएम के दौरान ई-वोटिंग सिस्टम की सुविधा दे रही है (“ई-वोटिंग”)। रिमोट ई-वोटिंग/ई-वोटिंग का पूरा प्रोसेस 38वीं एजीएम के नोटिस में दिया जाएगा। जिन मेंबर्स ने अपने ईमेल एड्रेस रजिस्टर्ड नहीं किए हैं (“नॉन-रजिस्टर्ड मेंबर्स”) उनसे रिक्वेस्ट है कि वे रिमोट ई-वोटिंग के जरिए वोट डालने और 38वीं एजीएम में शामिल होने के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड पाने के प्रोसेस के लिए 38वीं एजीएम का नोटिस देखें। नॉन-रजिस्टर्ड मेंबर्स को 38वीं एजीएम के नोटिस और एनुअल रिपोर्ट का वेब-लैंक वाला एक लेटर भेजा जाएगा। नॉन-रजिस्टर्ड मेंबर्स से रिक्वेस्ट है कि वे डिजिटल/पीएटिसिपेंट (डिपी) के साथ अपने ईमेल एड्रेस इस तरह रजिस्टर/अपडेट करें:

अ) फिजिकल मोड के मामले में:

शेयरहोल्डर्स अपना फोलियो नंबर बताते हुए आरटीए को enotices@in.mpms.mufg.com पर ईमेल से रिक्वेस्ट भेज सकते हैं।

ब) डीमैट मोड में रखे गए शेयरों के मामले में:

शेयरहोल्डर्स डिजिटल/पीएटिसिपेंट (“डीपी”) से कॉन्टैक्ट कर सकते हैं और डीपी के बताए प्रोसेस के हिसाब से ईमेल एड्रेस और बैंक अकाउंट डिटेल्स डीमैट अकाउंट में रजिस्टर कर सकते हैं।

38वीं एजीएम के नोटिस के साथ एनुअल रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट <http://pantherindustrialproductsltd.com>, स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी अवेलेबल होगी। सदस्य 38वीं एजीएम में सिर्फ वीसी/एवीसीएम सुविधा के जरिए शामिल हो सकते हैं और उनकी उपस्थिति को कंपनीज एक्ट, 2013 के सेक्शन 103 के तहत कोरम पूरा करने के लिए गिना जाएगा।

पैंथर इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के लिए दस्तखत /-

तारीख : सितम्बर 05, 2026

जगह : ग्वालियर



मंदिरों में सजीं भजन संध्याएं

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 4 सितंबर। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इन भक्तिमय कार्यक्रमों से ग्वालियर अंचल कृष्णमय हो उठा।

शहर में ‘श्रीकृष्ण पर्व’ के तहत मुरार स्थित द्वारकाधीश मंदिर, संस्कृति विभाग के श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा ‘घर-घर गोकुल, घर-घर गोपाल’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं रानी लक्ष्मीबाई कॉलोनी स्थित बाबा गंगादास की बड़ी शाला में भी भक्ति संगीत संध्या हुई। दोनों आयोजनों में कृष्ण भक्ति के विविध रंग दिखाई दिए। द्वारकाधीश मंदिर में कार्यक्रम का शुभारंभ डॉकी इंडिया के पदाधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ गायक पंडित उमेश कं पुवाले ने ‘चलो मन वृंदावन की ओर’, ‘राणा जी मैं तो

गोविंद के गुण गाऊं’, ‘दरस बिन दुखन लागे नैन’ और ‘जय मीरा के गिरधर’ सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी गायकी में भक्ति के साथ शास्त्रीय संगीत की गहराई भी अनुभव हुई।

सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में मधुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम बाथम एवं सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के महंत पीठाधीश्वर रामसेवक दास महाराज के सानिध्य में आयोजित संगीत संध्या में युवा गायक श्री पीयूष तांबे ने श्रीकृष्ण के भजनों को अपनी भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। ‘बाजे मुरलिया’, ‘वो काला एक बांसुरीवाला’, ‘ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन’, ‘राधा ऐसी भई शाम की दीवानी’ और ‘जैसे बड़ी तेर भई नंदलाला’ जैसे भजनों ने वातावरण को कृष्णमय बना दिया।

भोग आराधना के लिए प्राचीन बर्तन

भगवान के भोजन और आराधना के लिए प्राचीन चांदी के बर्तनों का उपयोग किया गया। इन बर्तनों में भगवान की समई, इत्र दान, पिचकारी, धूपदान, चलनी, सांकड़ी, छत्र, मुकुट, गिलास, कटोरी, और कुंभकरिणी जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 60 लाख रुपये आंकी गई है। गोपाल मंदिर की यह परंपरा ग्वालियर की धरोहर है, जो आज भी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनी हुई है।

पट खुलते ही जयकारों से गुंज उठा मंदिर परिसर:मंदिर के पट खुलने से पहले ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग चुकी थीं. जैसे ही आरती के साथ पट खोले गए, पूरा परिसर ‘राधे-श्याम’ और ‘जय श्रीकृष्ण’ के जयकारों से गुंज उठा. हर कोई भगवान के भव्य और आकर्षक स्वरूप की पहली झलक पाने को उत्सुक नजर आया. जिन श्रद्धालुओं को दर्शन हुए, उनके चेहरे पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा था.

भक्तों की सुविधा के लिए रहे विशेष इंतजाम:नगर निगम और जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की थीं. मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में साफ-सफाई, रोशनी, पार्किंग और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए. दिनभर पुलिस बल और प्रशासनिक अमला तैनात रहा, ताकि दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो.

इन्होंने कहा...



हर वर्ष की तरह इस बार भी आभूषणों को बैंक लॉकर से सुरक्षित तरीके से निकाला गया. मंदिर समिति की मौजूदगी में प्रत्येक आभूषण का मिलान किया और सभी वस्तुएं सही स्थिति में पाई गईं. इसके बाद उन्हीं आभूषणों से राधा रानी और भगवान कृष्ण का श्रृंगार किया. दर्शन समाप्त होने के बाद सभी आभूषणों को फिर से सुरक्षित रूप से लॉकर में जमा कराया जाएगा.

— **अभिषेक चौधरी, कमिश्नर, ग्वालियर निगम**

भव्य श्रृंगार किया जाता है।**किस गहने की है कितनी कीमत:** इन गहनों में 8 लाख रुपये की कीमत का सफेद मोती वाला पंचगढ़ी हार, 12-14 लाख रुपये की कीमत का सात लड़ी हार, और 60 लाख रुपये कीमत का सोने का मुकुट

शामिल है।

इसके साथ ही, राधाजी का ऐतिहासिक मुकुट, जिसकी कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है, भी भगवान के श्रृंगार में शामिल किया गया।